vinetur

2026/27 सीजन की शुरुआत में फ्रांस की थोक रेड वाइन बिक्री 44% घटी

छोटी फसल के बाद FranceAgriMer के अनुसार औसत कीमत 13% बढ़कर €60 प्रति हेक्टोलिटर हो गई।

सोमवार, 5 अक्टूबर 2026



FranceAgriMer की 1 अक्टूबर को जारी बाजार रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस के थोक वाइन बाजार में 2026/27 सीजन की शुरुआत रेड वाइन के सौदों में तेज गिरावट और कीमतों में बढ़ोतरी के साथ हुई। सीजन के पहले छह हफ्तों में थोक Vin de France रेड वाइन की बिक्री 26,667 हेक्टोलिटर रही, जो एजेंसी द्वारा संदर्भ के लिए इस्तेमाल किए गए सीजन से 44% कम थी। वहीं, औसत कीमत 13% बढ़कर €60 प्रति हेक्टोलिटर हो गई।

आंकड़े ऐसे बाजार की ओर इशारा करते हैं जहां वाइन का लेन-देन कम हो रहा है, जबकि खरीदार उसके लिए अधिक कीमत चुका रहे हैं। रिपोर्ट में दिए गए प्रतिशतों के आधार पर, संदर्भ अवधि की मात्रा लगभग 47,620 हेक्टोलिटर रही होगी, यानी करीब 20,950 हेक्टोलिटर की गिरावट। पहले औसत कीमत लगभग €53.10 प्रति हेक्टोलिटर थी, जो मौजूदा स्तर से करीब €6.90 कम है। ये निरपेक्ष अंतर केवल अनुमानित हैं, क्योंकि FranceAgriMer प्रतिशत में बदलाव

को पूर्णांकित करके बताता है और इस मामले में सीजन की मौजूदा शुरुआत की तुलना 2025/26 के बजाय 2024/25 से करता है।

FranceAgriMer बोतलबंदी से पहले थोक में बेची जाने वाली वाइन के अनुबंधों पर नजर रखता है। इससे ये आंकड़े दुकानों और निर्यात बाजारों में बाद में बिकने वाली शुरुआती और मध्यम श्रेणी की वाइन की लागत का शुरुआती संकेत देते हैं। एजेंसी ने कहा कि सीजन की शुरुआत में Vin de France और IGP श्रेणियों में रेड और व्हाइट, दोनों वाइन की मात्रा आम तौर पर कम रही। रोज़े इसका मुख्य अपवाद रही।

रेड वाइन की गिरावट IGP श्रेणी में भी दिखी। थोक IGP रेड वाइन की बिक्री 30% घटकर 48,408 हेक्टोलिटर रही, जबकि औसत कीमत 9% बढ़कर €95 प्रति हेक्टोलिटर हो गई। व्हाइट वाइन की मात्रा में भी कमजोरी दिखी। Vin de France व्हाइट वाइन की बिक्री 36% घटकर 22,656 हेक्टोलिटर रही और इसकी औसत कीमत 1% फिसलकर €79 प्रति हेक्टोलिटर हो गई। IGP व्हाइट वाइन की बिक्री 37% घटकर 36,672 हेक्टोलिटर रही, लेकिन इसकी कीमत 9% बढ़कर €116 प्रति हेक्टोलिटर हो गई।

रोज़े का रुख इसके उलट रहा। थोक Vin de France रोज़े की बिक्री 45% बढ़कर 51,013 हेक्टोलिटर रही और औसत कीमत 2% बढ़कर €66 प्रति हेक्टोलिटर हो गई। IGP रोज़े की बिक्री 5% बढ़कर 69,588 हेक्टोलिटर रही, जबकि इसकी औसत कीमत 1% घटकर €80 प्रति हेक्टोलिटर पर आ गई। यह अंतर बताता है कि रेड या व्हाइट वाइन की तुलना में रोज़े की आपूर्ति की स्थिति अधिक सहज है। रेड और व्हाइट में बाजार की तंगी का असर पहले ही कीमतों पर दिख रहा है।

बाजार की पृष्ठभूमि में फ्रांस की छोटी फसल है। FranceAgriMer ने Agreste के 1 सितंबर के अनुमान का हवाला दिया, जिसके मुताबिक 2026 में वाइन उत्पादन 34 मिलियन हेक्टोलिटर रहेगा। यह 2025 के स्तर से 6% और 2021-2025 के औसत से 17% कम होगा। एजेंसी ने इस गिरावट के लिए अंगूर के बागों के रकबे में कमी और सूखे तथा गर्मियों की लू से जुड़ी कमजोर पैदावार को जिम्मेदार ठहराया। वाइन की उपलब्धता घटने के साथ, खासकर रोजमर्रा की खपत और ब्रांडेड वाइन में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाली श्रेणियों में, शुरुआती थोक बाजार में कीमतों पर दबाव तेजी से उभरा है।

इस रुझान का असर वाइनरी और सहकारी संस्थाओं के अनुबंधों से आगे तक जाता है। सुपरमार्केट और निर्यात बाजारों में बिकने वाली कई बोतलबंद वाइनों के लिए थोक वाइन आपूर्ति का एक बुनियादी स्रोत है। रेड और कुछ व्हाइट श्रेणियों में वाइनरी स्तर पर ऊंची कीमतों से आने वाले महीनों में कम और मध्यम कीमत वाली वाइनों की लागत बढ़ सकती है। हालांकि, किसी भी बढ़ोतरी का समय और स्तर बोतलबंद करने वाली कंपनियों, वितरकों और खुदरा कारोबारियों के बीच बातचीत पर निर्भर करेगा।

घरेलू बाजार के ये आंकड़े ऐसे समय आए हैं जब फ्रांस ने साल के पहले सात महीनों में निर्यात प्रदर्शन कमजोर रहने की भी जानकारी दी। FranceAgriMer के अनुसार, जनवरी से जुलाई तक फ्रांसीसी वाइन का निर्यात कुल 7.36 मिलियन हेक्टोलिटर रहा, जिसका मूल्य €6.48 बिलियन था। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले मात्रा और मूल्य, दोनों में 2% की गिरावट आई। निर्यात की औसत कीमत €8.81 प्रति लीटर पर स्थिर रही।

निर्यात के आंकड़े प्रमुख बाजारों में मिली-जुली तस्वीर दिखाते हैं। अमेरिका को भेजी गई खेप मात्रा में 5% बढ़कर 1.13 मिलियन हेक्टोलिटर रही, लेकिन निर्यात का मूल्य 6% घटा, जो औसत कीमतों में कमी का संकेत है। FranceAgriMer ने कहा कि उस बाजार में औसत कीमत 11% गिरी। इससे संकेत मिलता है कि 2025 में आई बाधाओं के बाद मात्रा फिर बढ़ाने के लिए निर्यातकों को कीमतों में रियायत देनी पड़ी। यूनाइटेड किंगडम को निर्यात बेहतर रहा : मात्रा 8% और मूल्य 4% बढ़ा।

अन्य गंतव्यों में स्थिति कमजोर बनी रही। जर्मनी को निर्यात मात्रा में 8% और मूल्य में 10% घटा। FranceAgriMer ने वहां के बाजार को सुस्त बताया। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और दक्षिण कोरिया की वजह से एशियाई बाजारों में भी गिरावट

जारी रही। बेल्जियम और नीदरलैंड में भी निर्यात की मात्रा कम दर्ज की गई। कुल मिलाकर, निर्यात में व्यापक सुधार के बजाय मामूली संकुचन हुआ।

थोक बाजार और व्यापार के आंकड़े मिलाकर देखें तो फ्रांसीसी वाइन क्षेत्र पर दो दिशाओं से दबाव नजर आता है। छोटी फसल के बाद आपूर्ति तंग है, जिससे कई थोक श्रेणियों, खासकर रेड वाइन, की कीमतें बढ़ रही हैं। वहीं, विदेशी मांग घरेलू दबाव की भरपाई के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं है और कुल निर्यात मात्रा तथा मूल्य, दोनों में अब भी घट रहा है।

FranceAgriMer की सितंबर की रिपोर्ट में 2026/27 सीजन की शुरुआत को एकसमान बाजार रुझान के रूप में पेश नहीं किया गया है। रेड वाइन के कारोबार की मात्रा में सबसे तेज गिरावट और कीमतों में सबसे स्पष्ट बढ़ोतरी दिख रही है। थोक बाजार में व्हाइट वाइन पर भी दबाव है, हालांकि सभी श्रेणियों में इसका असर एक जैसा नहीं है। रोज़े की उपलब्धता अधिक है और इसकी कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर हैं। उत्पादकों, सहकारी संस्थाओं, कारोबारियों और खुदरा विक्रेताओं के लिए यह अंतर सीजन के बाकी हिस्से में खरीद और कीमत तय करने के फैसलों को प्रभावित कर सकता है।

इन आंकड़ों को सावधानी से पढ़ने की जरूरत है, क्योंकि तुलना का आधार असामान्य है। FranceAgriMer ने मौजूदा सीजन के शुरुआती हफ्तों की तुलना ठीक पिछले 2025/26 सीजन से नहीं, बल्कि 2024/25 से की है। इसका मतलब है कि एजेंसी के ढांचे के भीतर बताए गए बदलाव सही हैं, लेकिन वे पिछले सीजन से साल-दर-साल का सीधा बदलाव नहीं दर्शाते। फिर भी, शुरुआती हफ्तों का संदेश साफ है : फ्रांस में थोक रेड वाइन का कारोबार कम हो रहा है और उपलब्ध वाइन ऊंची कीमत पर बिक रही है।